ग्रामीण चैलेंज लैब - रायगड़ा

तीन-दिवसीय समयबद्ध एजेंडा

स्थान: कल्याण मंडप, बिसमकटक

दिवस 1: जुड़ें → दिवस 2: चिंतन करें → दिवस **3: मार्ग बनाएँ**

दिवस 1 - जुड़ें, खोजें और साझा आधार तलाशें

10:00 पूर्वाह्न - 5:00 अपराह्न | कल्याण मंडप, बिसमकटक

समय	सत्र
10:00 - 11:00 पूर्वाह्न	**पंजीकरण, स्वागत और अनौपचारिक परिचय** - लोगों की दीवार: यहाँ कौन-कौन हैं?
11:00 - 11:30 पूर्वाह्न	**उद्घाटन समारोह** - चैलेंज लैब का स्वागत, संदर्भ और उद्देश्य
11:30 पूर्वाह्न - 12:00 दोपहर	**रायगड़ा की आवाज़** - समुदाय, महिलाओं, युवाओं और स्थानीय नेतृत्व की संक्षिप्त आवाज़ें
12:00 - 12:30 दोपहर	**हमारी यात्रा: फरवरी से सितंबर** - ग्रामीण चर्चा और सुनने की प्रक्रिया से चैलेंज लैब तक
12:30 - 1:30 दोपहर	**हमारी नज़र से रायगड़ा** - क्या बदल रहा है? क्या कठिन हो रहा है? क्या उम्मीद देता है? क्या खोना नहीं चाहिए?
1:30 - 2:30 दोपहर	दोपहर का भोजन
2:30 - 3:30 दोपहर	**चुनौती + सामर्थ्य दीवार** - साझा चुनौतियों, मौजूदा सामर्थ्यों और संसाधनों की पहचान
3:30 - 4:15 अपराह्न	**कड़ियों को जोड़ना** - गाँवों में कौन-सी समस्याएँ समान हैं? किसे किससे जुड़ने की ज़रूरत है?
4:15 - 4:40 अपराह्न	दिवस 2 के ग्राम-इमर्शन की जानकारी और मिश्रित इमर्शन टीमों का गठन
4:40 - 5:00 अपराह्न	**दिवस 1 वॉइस पल्स + रिफलेक्सन** - आज आपने कौन-सा जुड़ाव खोजा और कौन-सी साझा चुनौती पहचानी?
5:00 अपराह्न	दिवस 1 का समापन

दिवस 2 – गहराई से सुनें और चिंतन करें

ग्राम इमर्शन + कल्याण मंडप पूर्ण विवरण

समय	सत्र
सुबह	इमर्शन गाँवों तक यात्रा / आवागमन
11:30 पूर्वाह्न - 12:00 दोपहर	आगमन, समुदाय का स्वागत और परिचय
12:00 - 12:45 दोपहर	**ग्राम भ्रमण + स्थल मानचित्रण** - चुनौतियाँ, सामर्थ्य, संसाधन और लोग/संस्थाएँ
12:45 - 1:30 दोपहर	**सुनने के वृत्त** - महिलाएँ, युवा, बुज़ुर्ग, किसान और ज्ञान-धारक
1:30 - 2:30 दोपहर	**ग्राम चिंतन एवं अर्थ-निर्माण** - फोर-कॉर्नर कैनवास, पहले से किए गए प्रयास, स्थानीय/आदिवासी ज्ञान और उभरते अवसर
2:30 - 3:15 अपराह्न	समुदाय के साथ साझा भोजन
3:15 - 4:00 अपराह्न	**समापन ग्राम संवाद** - हमने क्या समझा? क्या छूट गया? समुदाय की पुष्टि और ग्राम-आधारित मार्ग की समीक्षा
4:00 अपराह्न से आगे	कल्याण मंडप, बिसमकटक वापसी
5:00 - 6:00 अपराह्न	**चाय + पुनर्स्मरण एवं डीब्रीफिंग** - किस बात ने चौंकाया? हमारी समझ में क्या बदला? गाँवों में कौन-से पैटर्न उभर रहे हैं?
डीब्रीफ के दौरान	**दिवस 2 वॉइस पल्स** - गाँव में सुनने और समय बिताने के बाद, कल की अपनी सोच से अलग आपने क्या समझा?
6:00 अपराह्न	दिवस 2 का समापन

दिवस 3 - मार्ग बनाएँ, प्रतिबद्ध हों और कार्रवाई की ओर बढ़ें

10:00 पूर्वाह्न - 4:00 अपराह्न | कल्याण मंडप, बिसमकटक

समय	सत्र
10:00 - 11:00 पूर्वाह्न	पंजीकरण, आगमन और ग्राम प्रदर्शनी / गैलरी की तैयारी
11:00 - 11:30 पूर्वाह्न	उद्घाटन समारोह + सांस्कृतिक प्रस्तुति
11:30 पूर्वाह्न - 12:15 दोपहर	**ग्राम गैलरी** - चुनौतियाँ, छिपी हुई ताकतें, स्थानीय ज्ञान, पहले से किए गए प्रयास और उभरती संभावनाएँ
12:15 - 1:00 दोपहर	**रायगड़ा चैलेंज मैप** - गाँवों में साझा और प्रणालीगत चुनौतियों की पहचान
1:00 - 1:45 दोपहर	**चैलेंज टेबल्स** - क्या बार-बार सामने आता है? यह क्यों जारी है? पहले से क्या मौजूद है? रुकावट कहाँ है?
1:45 - 2:30 दोपहर	**पाथवे बिल्डर** - चुनौती + संसाधन + आदिवासी ज्ञान + संस्थाएँ/योजनाएँ + नए जुड़ाव
2:30 - 3:00 अपराह्न	**जन-निर्णायक मंडल + 90-दिवसीय मार्ग** - क्या उपयोगी, स्थानीय जड़ों से जुड़ा, समुदाय के स्वामित्व वाला और परखा जा सकने वाला है? सबसे पहले क्या होगा?
3:00 - 3:40 अपराह्न	दोपहर का भोजन
3:40 - 4:00 अपराह्न	**समापन समारोह + दिवस 3 वॉइस पल्स** - कौन-सा मार्ग आज़माने योग्य है, किसे साथ आना होगा और सबसे पहले क्या होना चाहिए?
4:00 अपराह्न	**चैलेंज लैब का समापन**

दिवस 1: जुड़ें → दिवस 2: चिंतन करें → दिवस 3: मार्ग बनाएँ

तीन-दिवसीय यात्रा: दिवस 1 - हम खोजते हैं कि हमारी चुनौतियाँ आपस में जुड़ी हैं। दिवस 2 - गाँव हमारी चुनौती को समझने का नज़रिया बदलता है। दिवस 3 - हम साथ मिलकर ऐसे मार्ग पहचानते हैं जिन्हें आज़माया जा सके।